064

HD-03

December - Examination 2017

B.A. Pt. II Examination

हिंदी गद्य भाग – II (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Paper - HD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) निबंध की किन्हीं विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) कथोपकथन से क्या अभिप्राय है?

(iii) जीवनी किसे कहते हैं?

(iv) रिपोर्ताज की परिभाषा दीजिए।

(v) धीरोदात्त नायक किस प्रकार का होता है?

(vi) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में आप नायक किसे मानते हैं?

(vii) 'मेरा बचपन' आत्मकथा के रचनाकार का नाम लिखिए।

(viii) 'उत्साह' निबंध के लेखक कौन हैं?

(ix) नाखून किस वृत्ति के जीवंत प्रतीक हैं?

(x) अमृतराय के पिताजी का नाम क्या था?

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। शब्द सीमा अधिकतम 200 शब्द है।

2) संस्मरण का अर्थ एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में वर्णित प्रमुख समस्याओं का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

4) युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

5) घीसा की गुरुभक्ति पर प्रकाश डालिए।

6) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
मुझे लगता है, तुम सुध–बुध खो बैठे हो, तुम प्रलाप कर रहे हो। भला ज्ञान में भी कोई ऐसी असंभाव्य बातें करता है।

7) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

बाहर नहीं भीतर की ओर देखो। हिंसा को मन से दूर करो, मिथ्या को हटाओ, क्रोध और द्वेष को दूर करो, लोक के लिए कष्ट सहो, आराम की बात मत सोचो, प्रेम की बात सोचो। आत्मतोषण की बात सोचो, काम करने की बात सोचो।

8) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

मेरा उद्देश्य वर्णाश्रम, नारी समस्या, राजा–प्रजा का संबंध को लेकर कुछ वामपंथी लेखकों में फैली हुई गुमराहियों का निराकरण करना है। कोई भी लेखक अपने समय के सामाजिक यथार्थ को गहराई से देखे और अपनी रचनाओं में उसे प्रतिबिंबित किये बिना महान साहित्कार नहीं हो सकता।

9) सफलता और चरितार्थता में क्या अंतर है?

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) रंगमंच और अभिनेयता की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजए।

11) ''भोलाराम का जीव' भ्रष्ट लालफीता शाही में दम तोड़ती हुई जनतांत्रिक व्यवस्था और आम जनता की या सदी की व्यंगात्मक प्रस्तुति है'' – स्पष्ट कीजिए।

12) 'अदम्य जीवन' रिपोर्ताज के आशय पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

13) टिप्पणी लिखिए। (प्रत्येक 5 अंक)

(i) आलोचना

(ii) एकांकी में संकलन त्रय

(iii) ललित निबंध

(iv) जीवनी।